FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION

3/1, Lajpat Rai Road, New Katra, Prayagraj -211002

RELEASE OF THE BOOK "POPLAR FARMING"

A book "Poplar Farming", by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj Scientists Dr. Anita Tomar, Scientist-F and Dr. Sanjay Singh, Scientist-G was released by Prof. Badri Narayan, Govind Ballabh Pant Social Science Institute, Prayagraj, Shri Prem Singh, Founder Humane Agrarian Centre, Banda, Dr. Maneeshi Bansal, Vice President, Orthopaedic Society, Prayagraj, noted theatre director and art critic Mr. Pravin Shekhar and other dignitaries during **"India@75 Conclave"** on 14th August, 2022 at FRCER, Prayagraj.

The distinguish guests congratulated the authors for the publication and expressed their hope that the book will serve not only professionals and academic but it would be substantially useful to the farmers and tree growers.

Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER, Prayagraj apprised the gathering that the publication contains information about appropriate clones of Poplar identified for Uttar Pradesh by extensive research and field testing by FRCER, Prayagraj apart from comprehensive details on hybridisation, cultivation, molecular characterisation, agroforestry models, marketing and trade in poplars.

Dr. Anita Tomar said that Poplars form an important component of forestry and agricultural systems, providing a wide range of wood and non-wood products. She thanked the contributors all over the country and the publishers to come up with a valuable publication having an inclusive account on Poplar farming.

हिन्दी दैनिक
कौशाम्बी टाइम्स
KT KAUSHAMBI TIMES
प्रयागराज, सोमवार, 15 अगस्त, 2022

आजादी की 75वीं वर्षगाँठः चिंतन समारोह का आयोजन :

पॉपलर फार्मिंग विषय पर डा0 अनीता तोमर एवं डा0 संजय सिंह द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पर पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा चिंतन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथियों के तौर पर विभिन्न सम्मानित क्षेत्र यथा साहित्य, औषधि, हिंदी साहित्य, कृषि तथा सामाजिक विज्ञान आदि के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। सभा की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों तथा केन्द्र प्रमुख द्वारा दीप प्रज्जवलन करके हुआ। विशिष्ट अतिथि तथा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा पॉपलर फार्मिंग विषय पर डा0 अनीता तोमर तथा डा0 संजय सिंह द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने आजादी के बाद से आज तक के सफर में वनों के स्तर में आयी कमी तथा इसके सुधार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के विभिन्न प्रयासों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध

जैविक खेती विशेषज्ञ प्रेम सिंह, कृषक, बांदा ने जैविक खेती को प्राचीन पद्धति बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही इसे कृषिवानिकी में बहुपयोगी बताया। विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर कला एवं संस्कृति कलाकार ने भारतीय रंगमंच के विकास के साथ ही लघु कथा के माध्यम से आजादी से लेकर आज तक के सफर में विभिन्न लेखकों, कवियों, वैज्ञानिकों के साथ कृषकों के योगदान से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा0 मनीषी बंसल, चिकित्सा एवं डाक टिकट ने भारत द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय प्रगति पर चर्चा की साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन के कुछ उदाहरण प्रस्तुत किये, उन्होंने कहा कि विकास व्यक्ति विशेष का नही होता बल्कि समाज का होता है। विशिष्ट अतिथि डा0 याशमीन सुल्ताना नकवी, हिंदी साहित्यकार ने आजादी के पहले और बाद हिंदी की स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा0 पूर्णेन्द्र कुमार सिंह, साहित्यकार ने आजाद भारत में साहित्य के योगदान से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पुस्तक के विषय में अवगत कुराते हुए पॉपलर की उपयोगिता तथा इससे किसानों को होने वाले लाभ से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम को संचालित करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव के निर्देशन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। आयोजित सभा में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ 0 कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला के साथ अम्बूज कुमार, क0श्रे0लि0, अशोक कुमार, बहुकार्य कर्मी, विभिन्न शोधार्थी छात्र योगेश, विजय, दर्शिता, मोहया पाल, आशीष यादव, कुलदीप आदि उपस्थित रहे ।

पॉपलर किसानों द्वारा कृषिवानिकी के उद्देश्य से सबसे पसंदीदा वृक्ष प्रजाति है। इनकी वृद्धि तेज होने के कारण कोई भी किसान अच्छे प्रबंधन से कम समय में अधिक लाभ प्राप्त कर सकता है।

इसकी लकड़ी तथा छाल का उपयोग प्लाईवूड, बोर्ड, माचिस की तीलियां, खेलकूद के सामान तथा पेंसिल बनाने के लिए भी किया जाता है। विमोचित पुस्तक 'पॉपलर फार्मिंग' के अंतर्गत पॉपलर आधारित कृषिवानिकी प्रणाली कृषि तकनीक, संरक्षण एवं प्रबंधन, क्लोनिंग, पॉपलर के साथ अन्य फसल, आर्थिक तथा विपणन के साथ सम्बन्धित अन्य विविध मुद्दे उपलब्ध है। इस प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य किसानों तथा अन्य हितधारकों के बीच पॉपलर की खेती हेतु जानकारी उपलब्ध कराना है। यह पुस्तक वैज्ञानिकों, आदिवासियों, किसानों, पाठकों तथा बागवानो व पॉपलर की खेती में रूचि रखने वालों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा।

अमृत महोत्सव 75 जागरण

पापुलर फार्मिंग पुस्तक का विमोचन

जासं, प्रयागराज : पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में रविवार को आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। डा. संजय सिंह और डा. अनीता तोमर द्वारा रचित पुस्तक पॉपलर फार्मिंग का विमोचन किया गया। विशिष्ट अतिथि जीबी पंत सामाजिक संस्थान के निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने आजादी के बाद से आज तक के भारत की सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। जैविक खेती विशेषज्ञ प्रेम सिंह ने जैविक खेती को प्राचीन पद्धति बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। प्रवीण शेखर और डा. मनीषी बंसल ने भी विचार व्यक्त किए। डा. याशमीन सुल्ताना नकवी, डा. पूर्णेन्द्र कुमार सिंह, डा. अनुभा श्रीवास्तव, आलोक यादव, डा. कुमुद आदि थे।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

आजादी का अमृत महोत्सव

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से हुआ आयोजन

विकास व्यक्ति विशेष का नहीं, समाज का होता है

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से अमृत महोत्सव के अंतर्गत रविवार को चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं विशिष्ट अतिथियों ने पॉपलर फार्मिंग पर डॉ. अनीता तोमर एवं केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पुस्तक पर चर्चा करते हुए पॉपलर से किसानों को होने वाले लाभ को बताया।

केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने आजादी के बाद वनों के स्तर में आई कमी तथा इसके सुधार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से चिंतन समारोह में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।